CHINMAYA DEGREE COLLEGE

A COLLEGE OF EXCELLENCE

PROSPECTUS

Session 2017-18

BHEL, HARIDWAR - 249403

Ph.: 01334 - 230478, Fax : 01334 - 231892

visit - www.chinmayadc.edu.in

E-mail - principal@chinmayadc.edu.in

joint-secretary-mancom@chinmayadc.edu.in

CCMTEC

विद्या फलं स्यात् असतो निवृत्तिः

True Knowledge removes all that is false in our life

"Don't just invest on the child, also invest in the child. 'Investment on' gives outer prosperity. 'Investment in' ensures inner unfoldment and lasting prosperity. True education is 'investment on' the child complemented with 'investment in' the child. "

- Swami Chinmayananda

Published by : Dr. Alok Kumar
Principal

Edited by : Dr. A.S. Singh
Dr. Ajay Kumar
Sri R.K. Chaturvedi

महत्वपूर्ण तिथियाँ
(स्नातक कक्षाओं में प्रवेश हेतु)

1.	महाविद्यालय प्रवेश फार्म एवं विवरण पत्रिका का वितरण व प्रवेश पंजीकरण प्रारम्भ	– 15 जून 2017
2.	पंजीकरण की अन्तिम तिथि (स्नातक)	– 01 जुलाई 2017
3.	योग्यता एवं प्रतीक्षा सूची का महाविद्यालय सूचनापट पर प्रकाशन	– 08 जुलाई 2017
4.	योग्यता सूची से अभ्यर्थियों का प्रवेश, समय	– 14,15 और 17 जुलाई 2017
5.	प्रतीक्षा सूची से अभ्यर्थियों का प्रवेश	– 24, 25 जुलाई 2017
6.	कक्षा आरम्भ	– 01 अगस्त 2017

महत्वपूर्ण तिथियाँ
(स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु)

1.	महाविद्यालय प्रवेश फार्म एवं विवरण पत्रिका का वितरण व प्रवेश पंजीकरण प्रारम्भ	– 15 जून 2017
2.	पंजीकरण की अन्तिम तिथि (स्नातकोत्तर)	– बी.एससी अन्तिम वर्ष के परीक्षा परिणाम घोषित होने के चार दिन तक

3. योग्यता एवं प्रतीक्षा सूची के लिये महाविद्यालय के सूचना पट का अवलोकन पंजीकरण की अन्तिम तिथि के बाद करें।

नोट : प्रवेश के समय अभ्यर्थी अनिवार्यतः स्वयं उपस्थित हो तथा अपने साथ सभी मूल प्रमाण–पत्र तथा उनकी सत्यापित कॉपी साथ लायें। इसके लिये अतिरिक्त समय देय नहीं होगा। छात्र/छात्रायें जिस वर्ग (जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत जाति प्रमाण–पत्र ही स्वीकार होगा अन्य प्रदेश का जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए) जो विद्यार्थी खेलकूद (राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर) एवं एन.एस.एस. तथा एन.सी.सी. का लाभ लेना चाहते हैं, वे सम्बन्धित प्रमाण–पत्र की प्रमाणित कॉपी, रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ संलग्न करें तथा प्रवेश के समय मूल प्रमाण पत्र भी साथ लायें।

अन्य जानकारी हेतु हमारी वैब साइट

www.chinmayadc.edu.in

का अवलोकन करें।

ADMISSION COMMITTEE

(प्रवेश समिति)

(Session : 2017-2018)

1.	Dr. Alok Agarwal	Convener	9897739135
2.	Dr. P.K. Sharma	Coordinator	9410330631
3.	Dr. Shikha Gupta	Coordinator	9412072984
4.	Dr. Manisha	Coordinator	9837162852
5.	Dr. Anand Shanker Singh	Coordinator	9837272721
6.	Dr. Ajay Kumar	Coordinator	9897331847
7.	Sh. B.P. Gupta	Coordinator	9897157390
8.	Sh. Rakesh Landora	Member	
9.	Sh. V.S Negi	Member	

Note : Admission for M.Sc. courses is done by the respective Professor in-charge of the Department concerned.

ANTI RAGGING CELL

	Contact No
1. Dr. Alok Agarwal (Convener)	9897739135
2. Dr. Manisha	9837162852
3. Dr. Vaishno Das	9758140071
4. Dr. Omkant	9897982689
5. Dr. Deepika Upadhyay	8909811219
6. Ms. Maya Swami	9837075252

Founder of Chinmaya Mission H.H. Gurudev Swami Chinmayanand Ji
(1916-1993)

H.H. SWAMI CHINMAYANANDA JI

Born on Ramnavami day 101 years ago, Yug Purusha H.H. Swami Chinmayanandaji Maharaj bloomed forth as a great saint, philosopher and guide to the millions and the greatest exponent of Geeta of his times. With a glorious record of education Mr Balakrishna Menon obtained post graduation degree in English from Lucknow University. His Holiness took Sanyas on the Mahashivratri day in 1947 from his Deeksha Guru, Swami Shivananda of Anand Kutir, Rishikesh. In May 1951, he descended to the plains from the heights of Gangorti with primary objectives of regeneration of Dharma and respiritualisation in India. Without any outside support, he organised the first GyanYagna in Pune in December 1951. From a few participants at the time, hundreds of Yagnas later, the number of devotees mounted to millions. Indeed, he was a movement in himself and a legend in his own life. His Geeta Gyan Yagnas brought the wisdom of vedanta to millions who became his ardent devotees looking up to him as a Yug Purusha. He became Pujya Gurudev of countless people in India and abroad. It was his love for mankind and vision of man's relationship with God which brought about many centres of higher learning in the Vedantic knowledge in this country and other parts of the world. In a short span of about 60 years, more than 300 Chinmaya Mission Centres have been established in addition to various academic institutions imparting quality education, hospitals, welfare and vocational centres and clinics etc. for the benefit of the society.

Discourses of Geeta by Yug Purusha, the nectar of life, are much sought after the world over. Gurudev's commentaries on Geeta and other Hindu scriptures are acclaimed as master-pieces all over the world. Gurudev's audio and video cassettes on these scriptures are used in many institutions and homes for gaining the eternal knowledge of this subtle subject.

Pujya Gurudev attained Maha Samadhi on 3rd August 1993 passing the torch to the next generation led by H.H. Swami Tejomayananda ji. College Parivar offers Shradhanjali by rededicating itselt to the noble cause of true knowledge.

परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी

एक सौ एक वर्ष पूर्व राम नवमी के पावन दिवस को स्वामी चिन्मयानन्द जी ने इस धरती पर अवतार लिया था। वे अपने समय में गीता के सर्वश्रेष्ठ उपदेशक थे। उनका जन्म एक महान सन्त, दार्शनिक एवं लाखों लोगों के लिये आध्यात्मिक निर्देशक की भूमिका का निर्वाह करने के लिये हुआ था। प्रारम्भ में उनका नाम बालकृष्ण मेनन था तथा उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। आपने 1947 में महाशिवरात्रि के पर्व पर अपने गुरु स्वामी शिवानन्द, आनन्द कुटीर, ऋषिकेश से सन्यास की दीक्षा प्राप्त की। धर्म एवं आध्यात्म के क्षेत्र में पुनर्निर्माण को उद्देश्य मानकर मई 1951 में आपने गंगोत्री की पर्वतमालाओं से मैदानी क्षेत्रों की ओर प्रस्थान किया। बिना किसी बाह्य सहयोग के आपने दिसम्बर 1951 में प्रथम ज्ञान यज्ञ पूना में प्रारम्भ किया। इस यज्ञ में भाग लेने वाले भक्तजनों की संख्या अत्यन्त कम थी, लेकिन इसके पश्चात सैकड़ों की संख्या में ज्ञान यज्ञ आयोजित किये गये तथा भक्तजनों की संख्या लाखों में होने लगी। वास्तव में पूज्य स्वामी जी स्वयं में एक आन्दोलन थे तथा अपने जीवन में एक प्रसिद्ध सन्त के रूप में स्थापित हो चुके थे। आपके द्वारा संचालित गीता ज्ञान यज्ञों द्वारा लाखों भक्तों को वेदान्तों की अमृत वर्षा प्राप्त हुई। अपने भक्तों के लिये आप युग पुरुष के रूप में जाने गये थे। आपको भारत वर्ष तथा विदेशों में बसे असंख्य भक्तों ने पूज्य गुरुदेव के रूप में मान्यता प्रदान की। मानवता के प्रति समर्पण तथा परमात्मा से आत्मा सम्बन्धित परिकल्पना को समझने के लिए उन्होंने स्वदेश व विश्व के अन्य भागों में वेदान्तिक साहित्य केन्द्रों की स्थापना की। केवल चार दशकों की संक्षिप्त अवधि में ही उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों, चिकित्सालय, सामाजिक उत्थान के केन्द्रों एवं वृद्धाश्रमों जैसे सेवा माध्यमों के अतिरिक्त 300 चिन्मय मिशनों की स्थापना हो चुकी है। पूज्य गुरुदेव द्वारा जीवन के लिये अमृत समान गीता पर आधारित व्याख्यानों का विश्व भर में आयोजन किया जा चुका है। आपके द्वारा गीता एवं हिन्दू धर्म के अन्य ग्रन्थों पर आधारित सारगर्भित विश्लेषण समस्त विश्व की धरोहर हैं। इन विषयों पर दृश्य एवं श्रव्य प्रचार सामग्रियों द्वारा अनेक संस्थान एवं लाखों परिजन अपने आध्यात्मिक ज्ञान में वृद्धि कर रहे हैं। 3 अगस्त 1993 को पूज्य गुरुदेव द्वारा महासमाधि लेने के पश्चात अब इस गुरुत्तर दायित्व का निर्वहन स्वामी तेजोमयानन्द के कुशल संचालन द्वारा किया जा रहा है। इस पूज्य महात्मा के लिये सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में चिन्मय परिजन समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों को सम्पूर्ण दायित्व के साथ निर्वहन करने के लिये सदैव प्रतिबद्ध हैं।

If you realise you were wrong, have the courage to admit it !

- Swami Chinmayananda

H.H. Swami Tejomayananda Ji Head of Chinmaya Mission

H.H. SWAMI TEJOMAYANANDA JI

Swami Tejomayananda Ji was the Global Head of Chinmaya Mission worldwide from August 1993 to January 2017 . He was born in a Maharashtrian family on 30th June 1950 in Madhaya Pradesh. He was called Sudhakar Kaitwade. At the age of 20, While doing his master's degree in Physics, he met Swami Chinmayananda. So thoroughly inspired was Sudhakar, that after obtaining his mother's permission, he joined Chinmaya Mission's Vedanta Course in Mumbai. After successfully completing the course in 1975, he was posted to Chinmaya Mission Centre in Bhopal and subsequently Kanpur and Sidhbari.

On October 21, 1983 Swami Chinmayananda initiated him into sanyas and gave him the name Swami Tejomayananda. In 1989, Swami Tejomayananda was sent to San Jose (USA) and became Acharya of Chinmaya Mission West. This placed him In-charge of all of Chinmaya Mission activities in North America.

Upon Swami Chinmayananda's Maha Samadhi in August 1993, Swami Tejomayananda returned to India and became the Global Head of Chinmaya Mission worldwide. Since then, Swami Tejomayananda Ji has vigorously pursued the grand vision of his master.

In the year 2016, the President of India awarded Swami Ji with "Padma Bhushan" for his social and spritual contribution to the society. In January 2017 he handed over the charge of Global Head of Chinmaya Mission to HH Swami Swaroopananda Ji. Currently HH Swami Tejomayananda Ji, reverentially called Guru ji by the devotes of Chinmaya Mission world wide, is the Chief mentor of Chinmaya Mission.

परम पूज्य स्वामी तेजोमयानन्द जी

स्वामी तेजोमयानन्द जी चिन्मय मिशन के प्रमुख थे। इनका जन्म 30 जून 1950 को मध्य प्रदेश में एक मराठी परिवार में हुआ। पूर्वाश्रम में आपका नाम सुधाकर केटवाडे था। 20 वर्ष की आयु में आप स्वामी चिन्मयानन्द जी के प्रथम दर्शन से अत्यन्त प्रभावित हुए। अपनी माता जी के आशीर्वाद एवं अनुमति के पश्चात आपने मुम्बई में वेदान्त की दीक्षा ग्रहण की। 1975 में वेदान्त शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात, आपको चिन्मय मिशन की भोपाल, कानपुर तथा सिद्धबाड़ी का कार्यभार क्रमशः सौंपा गया, जिसका आपने सफलता पूर्वक निर्वहन किया।

21 अक्टूबर 1983 को आपने स्वामी चिन्मयानन्द जी से संन्यास की दीक्षा ग्रहण की तत्पश्चात् आपका नाम स्वामी तेजोमयानन्द हो गया। 1989 में स्वामी तेजोमयानन्द जी को चिन्मय मिशन के आचार्य के रूप में अमेरिका के सेन जोन्स मुख्यालय पर भेजा गया। यहाँ से स्वामी जी ने उत्तरी अमेरिका में होने वाली चिन्मय मिशन की सभी गतिविधियों का संचालन किया।

स्वामी चिन्मयानन्द जी द्वारा महासमाधि के पश्चात अगस्त 1993 में स्वामी तेजोमयानन्द जी ने चिन्मय मिशन के प्रमुख का पद ग्रहण किया। इस नई भूमिका में स्वामी जी ने स्वामी चिन्मयानन्द के वृहत्तर दृष्टिकोण का प्रसार किया है।

वर्ष 2016 में स्वामी जी को सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान के लिए राष्ट्रपति द्वारा " पद्म भूषण" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पूज्य स्वामी जी ने जनवरी 2017 में Global Head का कार्यभार पूज्य स्वामी स्वरूपानन्द जी को सौंप दिया। वर्तमान में पूज्य गुरुजी चिन्मय मिशन के मुख्य मार्गदर्शक है।

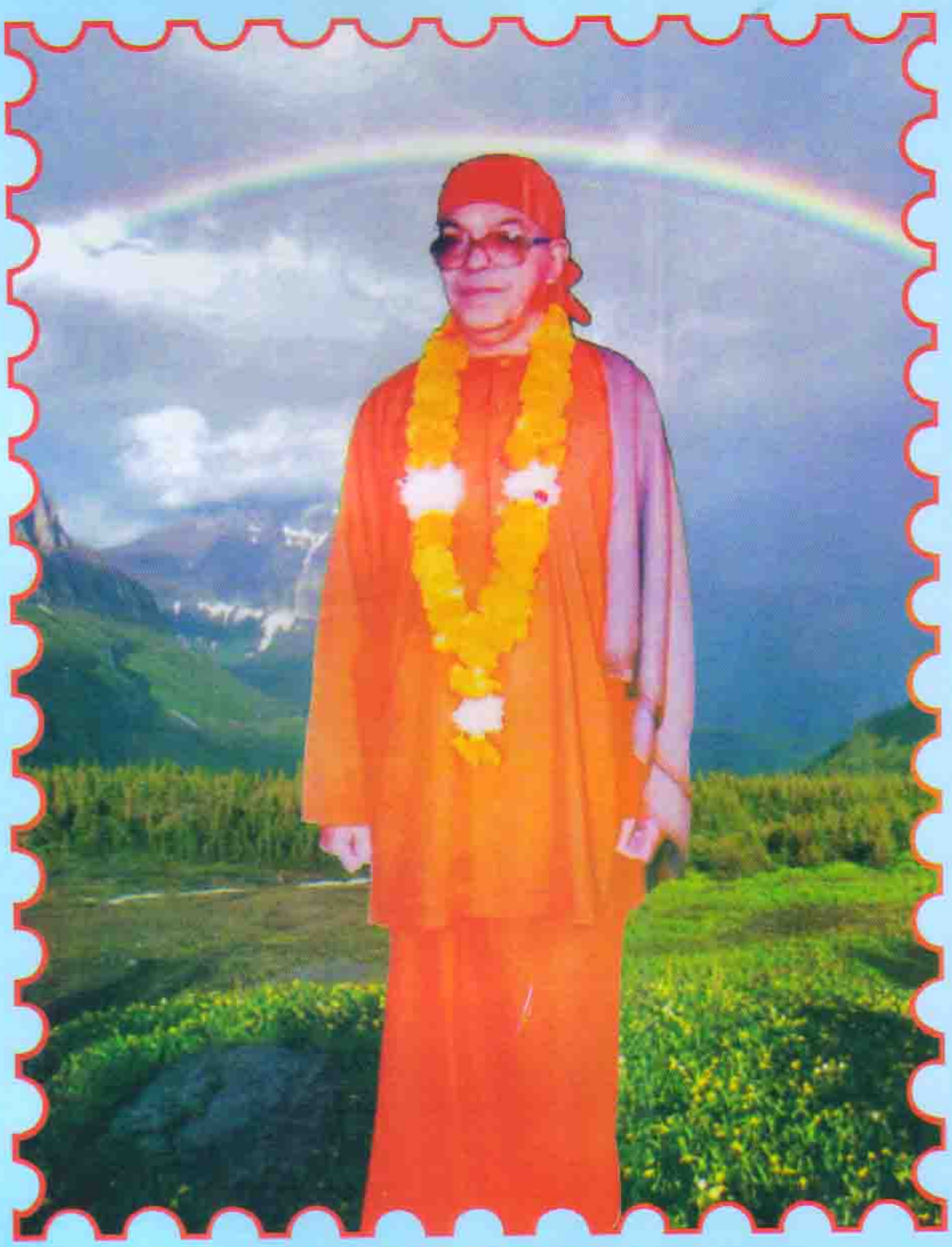

Swami Jyothirmayananda Ji
Founder Secretary Chinmaya Degree College, Haridwar
(1929-2003)

SWAMI JYOTHIRMAYANANDA JI
(Founder Secretary of the College)

Swami Jyothirmayananda was born on August 6, 1929 in Perunthalmanna in Palghat District in Kerala. His encounter with Pujya Gurudev Swami Chinmayananda was in 1952 at the Guruvayur Temple in Kerala. His Purvashram name was T.P. Radha Krishnan. He had a long association with Pujya Gurudev. In the course of those early years he has met many Mahatmas and Saints but he had met many Mahatmas and Saints but in Gurudev he felt he had found his Guru.

In 1963 T.P. Radha Krishnan joined the Brahmachari course in Sandeepany Sadhanalaya, an academy of Vedantic Knowledge which Gurudev had just started. At the end of six years of study T.P. Radha Krishnan received his Brahmachari deeksha from Pujya Gurudev and became Brahmachari Radha Krishnan.

The first task completed by Brahmachari Radha Krishnan was to expand the ashram at Uttarkashi, and the next assignment was the construction of Jagadeeshwara Temple in Sandeepany Sadhanalaya in Mumbai.

On May 6, 1979 he started Chinmaya Vidyalaya in E-Block Defence Colony on the Ring Road, Delhi. This has now grown to become a beautiful school in Vasant Vihar. In Oct. 1983 on the day of opening of Shri Rama Temple at Sidhbari he was given Sanyas by Gurudev and his name changed to Swami Jyothirmayananda. He achieved so much, apart from school/ colleges and the Chinmaya Centre.

All silent offerings of Swami Jyothirmayananda ji were at his Guru's feet. He has shown how a true disciple can achieve his guru's dreams. Swami Jyothirmayananda's silent presence at the Chinmaya Coilege of Sciences will be felt by one and all.

स्वामी ज्योर्तिमयानन्द जी
(महाविद्यालय के संस्थापक सचिव)

स्वामी ज्योर्तिमयानन्द जी का जन्म 6 अगस्त 1929 को पालघाट जनपद के पेरुनतलमाना कस्बे में हुआ था। 1952 में केरल के गुरुवयूर मन्दिर में आपका पूज्य गुरुदेव चिन्मयानन्द जी से सम्पर्क हुआ। आपका पूर्वाश्रम में नाम टी. पी. राधाकृष्णन था। आपका पूज्य गुरुदेव से लम्बा सानिध्य रहा है। प्रारम्भिक वर्षों में ज्योर्तिमयानन्द जी का अनेक महात्माओं एवं सन्तों से सम्पर्क रहा, लेकिन उन्होंने अपने गुरु के रूप में केवल पूज्य गुरुदेव चिन्मयानन्द जी को ही स्वीकार किया।

1963 में टी.पी. राधाकृष्णन ने सन्दीपनी साधनालय, मुम्बई में ब्रह्मचर्य पाठ्यक्रम आरम्भ किया। वेदान्तिक ज्ञान के संस्थान के रूप में इस साधनालय की स्थापना पूज्य गुरुदेव द्वारा की गई थी। छः वर्षों के कठिन अध्ययन के पश्चात आपने पूज्य गुरुदेव से ब्रह्मचर्य की दीक्षा प्राप्त की तथा ब्रह्मचारी राधाकृष्णन कहलाये।

ब्रह्मचारी राधाकृष्णन द्वारा किया गया सर्वप्रथम कार्य उत्तरकाशी में आश्रम का प्रसार करना था। इसके पश्चात आपको मुम्बई में सन्दीपनी साधनालय में जगदीश्वर मन्दिर के निर्माण का कार्य सौंपा गया। 6 मई 1979 को आपने ई0 ब्लॉक, डिफेन्स कालोनी, रिंग रोड़, नई दिल्ली में चिन्मय विद्यालय प्रारम्भ किया। वर्तमान में यह विद्यालय एक विशाल एवं भव्य भवन में स्थापित है। 1983 में जब सिद्धबाड़ी में श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन किया गया तब पूज्य गुरुदेव ने आपको संन्यास की दीक्षा दी एवं आपका नाम स्वामी ज्योर्तिमयानन्द हो गया। आपके कुशल नेतृत्व में असंख्य स्कूल/कॉलेज एवं चिन्मय सेन्टर की स्थापना हुई।

स्वामी ज्योर्तिमयानन्द द्वारा किये गये सभी सामाजिक हित के कार्य पूज्य गुरुदेव के चरण कमलों में समर्पित थे। वे एक ऐसे सेवक थे जिन्होंने अपने गुरु के स्वप्नों को पूरा करने के लिये हर सम्भव प्रयास किया, स्वामी ज्योर्तिमयानन्द जी की उपस्थिति चिन्मय महाविद्यालय में सदैव अनुभूत की जाती रहेगी। स्वामी जी ने 2003 में समाधि ली।

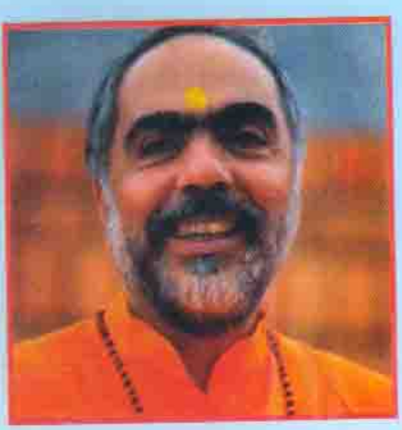

SWAMI SWAROOPANANDAJI
Global Head, Chinmaya Mission

"Fill the heart with the oil of love, place it in the wick of single-pointed mind. Light it with the knowledge of truth and remove the darkness of ignorance around you. Just as one lamp can light many lamps, let each youth kindle this light in many hearts."

Education serves as a launching pad for your career and life. Most of us think that education is only for employment, whereas we must understand that education is basically for empowerment and ultimately for enlightenment. It provides you with the basic strength and support to survive in the world, and teaches you to learn lessons to lead a life of success and satisfaction. Together we are involved in the noble task of laying the foundation of the future of the nation, by working in tandem to build and nurture a community of thinking, compassionate and morally good citizens not only of this country, but of the world.

Chinmaya Degree College, Haridwar is committed to providing to its students a VALUE-BASED EDUCATION which promotes effective learning and underpins the continuous improvement of personal, professional, social, national and spiritual wellbeing of an individual.

I pray to the almighty God to guide and bless the Chinmaya Family-the teachers, staff and students as they strive towards achieving their goals.

May God bless each one of you and guide you on the path of righteousness and may your journey be a fulfilling experience.

Hari Om

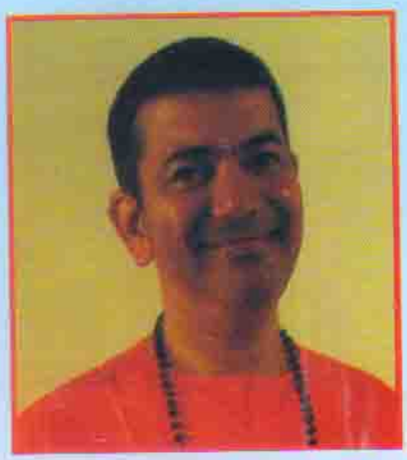

SWAMI PRAKARSHANANDAJI
Acharya, Chinmaya Mission Delhi

'With eyes fixed on the goal, to strive on in the present, becoming the architect of the future is creative learning"

It gives me immense joy to see that our college has made great strides and carved out a niche for itself in the field of quality education. As the nation grapples with new challenges, the need for relevant knowledge, acquisition of skills and the necessity for young people to explore in various fields continues to form the bedrock of education paradigm. The purpose of education is to make students capable of living their lives fully at all levels of their personalities. They should be able to face the numerous challenges of life and carve out a purposeful future for themselves.

I expect you, dear Chinmaya students, to distinguish yourself in every field by holding on to a positive attitude and turning every setback into triumph. Have faith in God, love your parents, respect and obey your teachers, develop an iron will and a strong conviction, dream the impossible and you shall surely succeed. Forgive all others for everything. Bring selflessness into every action. Keep constant remembrance of Him, who is the vital Essence in your heart. Then every action becomes worship.

I wish you all a very enriching and fruitful academic year ahead.

Hari Om

COL RAKESH SACHDEVA (Veteren)
(Chairman - Managing Committee, Chinmaya Degree College)

He was commissioned into the Indian Army in 1970. He earned his B.A. Hons. Degree from the University of Pune, his B.Tech. from the Military College of Telecom Engineering, Mhow, Madhya Pradesh and his M.Sc. from the University of Madras. He served in the Baramulla Division of J&K in the 1971 India-Pakistan war. During the Kargil conflict in 1999, he was the Director Signals Staff at Army Headquarters, New Delhi. He retired from Military Service in 2001. In his span of over thirty years of service in the Indian Army he served in various units and formations deployed in the desert, plains, mountains and high altitude areas. He has held various command and staff appointments, notable amongst them being Officer Commanding of a Mountain Brigade Signal company deployed in high altitude area, DAQMG of a Corps Reserve Brigade, Colonel General Staff of the Operational and Tactical Operational Branch of Army Training Command, Shimla. From 2001 to 2012 he served in various capacities (Head Projects, Circle CTO, Hub CTO and Regional CTO) in companies like Airtel,Tata Teleservices and Loop Telecom (erstwhile BPL) .

Col Rakesh Sachdeva comes from a family fully committed to the Chinmaya Mission since the early sixties. Having served the society in various ways, he has now decided to give himself over to doing full time social service.

Hari Om!

SHRI SURESH SHETTY
(Secretary - Managing Committee, Chinmaya Degree College)

He is a Commerce graduate and A.C.A (Chartered Accountants). He has been attending financial courses conducted by the Administrative Staff College (ASCI), Hyderabad and various Institutes of Management (IIMs). He also attended the Management Education Programme at IIM Ahmadabad , and a term course in Corporate Finance in STANFORD UNIVERSITY USA in 1992.

Shri Suresh Shetty has surrendered the membership of both Delhi stock exchange and National Stock Exchange in recent past. He is on the board of directors of two medium sized (listed) companies and he is mentor/guide to several medium and large size companies dealing in Financial Management and Planning.

He is a member of Chinmaya Mission, Delhi and devoted to mission activities. Suresh Shetty ji is also a Trustee of Delhi Chinmaya Seva Trust (DCST). Currently he is the Secretary, Managing Committee of Chinmaya Degree College Haridwar.

Hari Om !

MISSION PLEDGE

We stand as one family
bound to each other with love and respect.
We serve as an army,
courageous and disciplined,
ever ready to fight
against all low tendencies and false values
within and without us.
We live honestly
the noble life of sacrifice and service,
producing more than what we consume
and giving more than what we take
We seek the Lord's grace
to keep us on the path of virtue,
courage and wisdom.
May thy grace and blessings
flow through us
to the world around us.
We believe that the service of our country
is the service of the Lord of Lords,
and devotion to the people
is devotion to the Supreme Self.
We know our responsibilities.
Give us the ability and courage to fulfill them.

Om Tat Sat
Chinmaya Mission

God never created you to fail in life !
- Swami Chinmayananda

CALL OF THE SAGE
H.H. SWAMI CHINMAYANANDA

Yesterday was
Today belongs to us
Everyday is bursting
With opportunities for us

To do and to serve
To act and to express
To love and to live
We must make use of these
deligently make our life richer,
more fruitful,
more useful for others at all times

When We have such a few
courageous servants of God
honest men of Lord,
the nation is made
and the world is saved.

**Thought by thought, action by action we make a blue print of our destiny.
The vasanas are created by us, they are not given to us.**

- Swami Chinmayananda

चिन्मय दशकम्

1. वन्दे सच्चिदानन्दं देशिकं ब्रह्मचारिणम्।
तत्त्वज्ञानोपदेष्टारं काश्यत्तुरनिवासिनम्।।

2. समस्तभारते देशे दिल्लीमुख्यपुरेषु च।
ज्ञानयज्ञं प्रकुर्वन्तुं महान्तं तज्ञानसागरं।।

3. विद्यावन्तं गरिष्ठं तं गुरुं शंकररूपिणम।
हरेरंशसम्भूतच ज्ञानदानोद्यतं सदा।।

4. आंग्लभाषामयी वाणी मुखे यस्य सरस्वती।
नरीअर्ततिसन्तोषं, भक्तोद्धारान्तरंगतः।।

5. लोकान् कलिमलग्रस्तान् अज्ञानकलुषीकृतान्।
उद्धर्तुकामो देवेशः चिन्मयानन्दरूपतः।।

6. वन्दामहे वयं सर्वे ज्ञानदानोद्यतं गुरुम।
यतिवेषसमाच्छत्रां निर्व्याजकरूपणानिधिम्।।

7. तपोवनगुरुं शिष्यं शंकराचार्यमार्गनेम्।
वेदान्तारण्याविहरद् हारंकण्ठीरव गुरुम्।।

8. गीतासूपनिषद् ब्रह्मसूत्रणां परमार्थतः।
सारामृतोपदेशार्थम् अवतीर्णो महान् हरिः।।

9. स्वागतं वन्दनं चैव पादपूजां च कुर्महे।
गृहिणीवानुगृह्णातु, प्रसीद यति भूपते।।

10. हिमाचले स्थितेऽस्मिंश्च सान्दीपन्याश्रमे भवान्।
वेदान्तज्ञानदानार्थम्, विजयस्व दयां कुरु।।

भावार्थ

1. सत् चित् तथा आनन्द रुप देशिक, ब्रह्मचारी तत्वज्ञान के उपदेश एवं उत्तरकाशी में जिन्होंने निवास किया है ऐसे चिन्मयानन्द जी को मेरा प्रणाम होवे।

2. सम्पूर्ण भारतवर्ष में मुख्यतः दिल्ली नगर में ज्ञानयज्ञ करने वाले महान् ज्ञान के सागर को मेरा प्रणाम होवे।

3. महान् विद्यावान् शंकराचार्य रूप उस गुरु चिन्मयानन्द को मेरा प्रणाम होवे, जो हरि के अंश से सम्मूल और ज्ञान रूप दान को देने में सर्वदा उद्यत रहते हैं।

4. जिनके मुख में आंग्लभाषा रूप वाणी सरस्वती विराजित हैं, सन्तोष सदा नर्तन करता है और भक्तों का सर्वदा उद्धार करते रहे हैं।

5. कलयुग रूप मल से ग्रस्त अज्ञान से कलुषित लोगों का चिन्मयानन्द रूप से उद्धार करने के इच्छुक देवेश हैं उन्हें मेरा प्रणाम है।

6. ज्ञानरूप दान के लिय उद्यत, मतिवेश को प्राप्त, बिना ब्याज के करूणा के सागर, गुरु की हम सब वन्दना करते हैं।

7. तपोवन के गुरु शंकराचार्य के मार्ग का अनुसरण करने वाले वेदान्त रूपी अरण्य में विहरण करने वाले कण्ठ के हरि गुरु को वन्दन है।

8. गीता, उपनिषद् एवं ब्रह्मसूत्रों का परमार्थतः साररूप अमृत के उपदेश के लिए महान हरि ही अवतीर्ण हुए हैं।

9. हम सब स्वागत वन्दन एवं पादपूजा करते हैं। गृहिणी के समान हमें अनुगृहीत करें। हे भूपति यतीश्वर, आप प्रसन्न होवें।

10. हिमाचल में स्थित सन्दीपनी आश्रम में आप वेदान्त ज्ञान के दान के लिए विजयी होवें एवं दया करें।

THE COLLEGE

महाविद्यालय

A brief introduction

True wisdom is to know what is likely to happen. These words can be best ascribed to Swami Jyothirmayananda, the Chief Sevak representing Delhi Chinmaya Sewa Trust. He was the main architect who responded to the call given by the Board of Directors of the Bharat Heavy Electricals Limited, Haridwar in 1987, for establishing a Science Degree College in their premises. Since then the efforts continued and the College was approved by the State Government of Uttar Pradesh vide their letter No. 282/15-11-89-2-24/88 dated 13th March 1989. U.P. Government put the college on grant-in-aid list from 3rd Oct., 1994, vide letter Degree Arth-1/3717-21/96-97 dated 22-5-96.

The history of its genesis rested on the collaboration of BHEL. Among those, who responded to our offer of Service and deserve mention in these pages, are Sri P.S. Gupta, the then Chairman, BHEL, Late Sri D.V. Bhatnagar, G.M.(I) and Sri R.D. Shukla, the then G.M. (P&A) , BHEL. The efforts culminated in laying the foundation of the College on 16th May 1989. The then Chief Minister, Sri Narayan Dutt Tiwari, inaugurated the College amidst the chanting of Vedic hymns and the blissful radiations of Pujya Gurudev's spiritual aura. College opened its portal for youth on 11th December 1989.

Chinmaya Degree College represents and reflects the original concern of Pujya Gurudev H.H. Swami Chinmayananda for Indian roots of education, its rich heritage and culture and will continue to reflect it at graduate and post-graduate levels of education in future too. This College is just an extension of the vast network of educational and social service institutions spread all over India and abroad. It can justifiably take pride in having an enviable record in the academics and extra-curricular fields in a short span of its 28 years of existence.

संक्षिप्त परिचय

दूरदर्शी व्यक्ति को भविष्य का ज्ञान होता है। यह लोकोक्ति दिल्ली चिन्मय सेवा ट्रस्ट के मुख्य सेवक स्वामी ज्योतिर्मयानन्द के लिये सर्वथा उपयुक्त है। 1987 में भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स लिमिटेड (भेल) हरिद्वार के निदेशक मण्डल की भेल परिसर में एक डिग्री कॉलेज खोलने की प्रार्थना को मूर्त रूप देने में स्वामी जी ही मुख्य प्रणेता थे। इसके पश्चात ये प्रयास फलीभूत हुए तथा तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार के पत्रांक 282/15–11–89–2–24/88 दिनांक 13 मार्च 1989 द्वारा इस महाविद्यालय की स्थापना का अनुमोदन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने पत्रांक डिग्री अर्थ–1/3717–21–96–97 दिनांक 22–5–96 द्वारा 3 अक्टूबर 1994 से महाविद्यालय को वेतन अनुदान सूची में शामिल कर लिया हैं।

चिन्मय महाविद्यालय की स्थापना में भेल प्रशासन हरिद्वार की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस पुनीत कार्य में योगदान देने के लिये सर्व श्री पी0 एस0 गुप्ता (तत्कालीन महाप्रबन्धक, भेल), श्री डी0वी0 भटनागर (तत्कालीन महाप्रबन्धक, कारखाना, भेल) एवं श्री आर0 डी0 शुक्ला (तत्कालीन महाप्रबन्धक, प्रशासन एवं कार्मिक, भेल) का अथक प्रयास सराहनीय रहा है। इन सभी के सामूहिक प्रयासों की परिणति 16 मई 1989 को महाविद्यालय की स्थापना के रूप में हुई। इस दिन पूज्य गुरूदेव चिन्मयानन्द जी की उपस्थिति में उ0प्र0 के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नारायण दत्त तिवारी ने वैदिक मंत्रों के बीच इस महाविद्यालय का उद्घाटन किया। छात्र–छात्राओं के लिये महाविद्यालय में 11 दिसम्बर 1989 से शिक्षण कार्य आरम्भ हुआ।

चिन्मय महाविद्यालय भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध संस्कृति से सम्बद्ध पूज्य गुरूदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी के मूल विचारों को प्रदर्शित एवं प्रचारित करता है। यह महाविद्यालय समस्त विश्व में फैले विशाल चिन्मय मिशन के शैक्षिक एवं सामाजिक संस्थानों का एक विस्तार मात्रा है। 1989 से अब तक की छोटी सी अवधि में ही शैक्षिक एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में निर्बाध प्रगति के परिणाम स्वरूप इस महाविद्यालय को उत्तराखण्ड शासन ने हरिद्वार जनपद के आदर्श महाविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की है।

It gives me immense pleasure to welcome the students in the new session of the college. This college offers an education to complement the positive aspects of modern education with ancient wisdom. **"Chinmaya Education Movement"** is one of the most valuable contributions of Chinmaya Mission to the society since May 1965. The success of **Chinmaya Education Movement** is due to vision of offering academic education complemented with spritual knowledge.

It is my firm belief that the students after graduation from this college will prove themselves as an asset to any organisation and also the society.

Dr. Alok Kumar

Our Chinmaya Vidyalayas are determined, to achieve the three fold noble goal of education: vision, spirit of service and efficiency.

-Swami Tejomayananda

DISCIPLINE :

The Proctorial Board of the College looks after the discipline and decorum of life in college campus. It also looks after the welfare of the students and enforcement of the rules and regulations of the college and the University authorities.

Students have to occupy themselves with academic pursuits through out the working time in the college. Free periods may be spent in the Library, where books, periodicals and news papers are available.

Students are subject to the disciplinary jurisdiction of the college and University and have to abide by the rules and regulations issued from time to time.

The Proctorial Board deals with all cases of indiscipline. "Discipline" is the observance of good conduct as a student. Breach of discipline inter alia includes -

a) Irregularity in attendance, persistent negligence or indifference towards the work assigned.

b) Causing disturbance to a class or the office or the library or any games programme or college function.

c) Disobeying the instructions of teachers or administrative authorities of the college.

d) Misconduct or misbehaviour of any kind at the time of meeting or during curricular or extracurricular activities.

e) Misconduct or misbehaviour of any kind during the examinations, inter-college competitions and games.

f) Misconduct or misbehaviour of any kind towards a teacher or any employee of the college, University or another institution, or any member of the Statutory Board of the University or any visitor to the college, University or another institution.

g) Causing damage to the furniture or any property of the college or any other institution of the University

h) **Dress is decided for college students. Girls to attend the college in plain white salwar suits and Red Jaipuri chunni. Boys to attend the College in grey pant and plain white shirt. Plain black sweater, cardigon or blazer and black tie with college monogram is prescribed in winter uniform.**

Colour of trousers is S. Kumar's quality shade No. 178.

Married Girls may wear pink coloured Salwar, suit

I) Use of Mobile Phones by the students is prohibited in the College Campus.

j) Inciting others or abetting them to indulge in any unlawful activity.

k) Giving publicity to misleading reports or remorse among the students.

l) Using abusive and profane language in the college campus.

m) Smoking in the college premises.

n) Attitude of non-seriousness towards studies or other activities of the college.

o) Ragging is strictly prohibited in college premises. Strong action will be taken according to the directions issued by the Honorable Supreme Court of India.

Each student shall have to submit himself/herself to the code of disciplinary jurisdiction of the Principal, the Vice-Chancellor and other authorities of the College-University in whom may be vested the authority to exercise discipline under the Acts, the Statutes, the Ordinances and rules that have been framed by the College and the University.

Students are strictly advised not to bring outsiders with them in the college premises. If any outsider is found in the campus without approval, he/she may be handed over to the police and strict disciplinary action shall be taken against the student who directly or indirectly brought such outsider/outsiders in the college premises. Such students may even be expelled from the college.

FACILITIES :

SPORTS AND GAMES :

Facilities of Gymnasium, outdoor and indoor games : like Cricket, Hockey, Basket Ball, Football, Volley Ball, Badminton, Table Tennis and Carom and Athletics are provided under the supervision and guidance of the Convener, Sports Committee.

CANTEEN : There is well established canteen in the college campus for refreshment for students and the staff.

LECTURES AND SEMINARS :

Distinguished men of letters in sciences, technology and human affairs are invited to address the students under the extension lectures programme. Seminars and panel discussions are arranged to inculcate original thinking and expression among the students.

NATIONAL SERVICE SCHEME :

In order to create interest in social service among the students and utilize their time gainfully, the college has one unit of National Service Scheme of 100 students. This unit remains active throughout the year under the guidance of the Programme Officer of the N.S.S. unit. It organises activities in the field of :

1. Camping
2. Campus cleanliness
3. Community interaction
4. Health and Environmental awareness
5. Adult education
6. Rural development
7. Family welfare and health and AIDS awareness campaign
8. National Service Scheme ("B" & "C" certificate exams.)
9. Vaccination Campaign
10. Blood donation Campaign

CULTURAL SOCIETY :

There is a society to look after the social and cultural activities of the college. It comprises of a board of six faculty/ staff members and four students members.

GRANT OF STIPEND/SCHOLARSHIPS :

Stipends/Scholarships are awarded to outstanding and deserving students from various sources, agencies and other departments. Detailed information would be displayed on college notice board from time to time. Students are advised to see the notice board regularly.

NOTE : Students who are the recipients of stipend , scholarship will have to open bank account and should therefore contact the office superintendent of the college and intimate their bank account number with name of bank.

COLLEGE MAGAZINE :

The College brings out an annual maganize 'Chinmaya' to encourage literary efforts among the students. It includes contributions by the students, reviews of educational, cultural, social and sports activities of the college.

RAILWAY CONCESSIONS:

Bonafide regular students of the college are entitled for railway travel concessions in accordance with rules and regulations of the Railway Board. Travel concessions can be availed only for the place/home town shown in the admission form.

INSURANCE IS COMPULSORY FOR ALL STUDENTS :

The College has arranged an insurance policy from National Insurance Company Ltd. Haridwar to cover the students and their one fee paying parent against personal Accident Insurance for one Lakh each. Details of policy can be checked with the Dean Students welfare. Premium charges of the policy are Rs. 97.00 per student only.

पत्रांक डिग्री सेवा / 1677–1756 / 2009–10 / दिनांक 05 जून 2009

विषय : मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र सं0–54 / xxiv (6) / 2009 / दिनांक 28 मई 2009 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में।

सूच्य है कि भारत के उच्चतम न्यायालय के पत्र सं0–370 / 04 / xi–। दिनांक 26 फरवरी 2009 एवं 17 मार्च 2009 द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों को रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आज्ञा से
निदेशक (उ0शि0), उत्तराखण्ड
हल्द्वानी (नैनीताल)

GIRLS HOSTEL RULES AND FEE STRUCTURE

GENERAL

The Girls hostel is to accommodate post graduate/under graduate girl students studying in Chinmaya Degree College, Ranipur, Haridwar.

The hostel accommodates 70 girls. The hostel provides good accommodation facilities, which include main recreation hall, visitor hall and phone etc.

ADMISSION RULES

1. Girl students studying in postgraduate classes in Chinmaya College are eligible for admission to girl's hostel on preferential basis.
2. Students, whose parents and homes are in Haridwar district will not ordinarily be considered for admission in the Hostel.
3. Criteria of admission to the hostel will be merit based.
4. A resident student who fails in or fails to appear at an examination is liable to lose her seat in the hostel.
5. All applicants for rooms should submit their applications in the prescribed form & fee for Hostel Total fee 60,000/- per year.
6. All applications should be submitted with the college during June and July. Applications received after the dates may not be considered.

HOSTEL RULES

The following rules will be followed by all girl students residing in the hostel. Violation of any of these rules will make the student liable for disciplinary action, including expulsion from the hostel.

1. A student must remember that the hostel is the home of students on the campus. She should behave herself on the campus as well as outside in such manner as to bring credit to her self and to the Institute.
2. A student once admitted in the hostel continues to be a hostel inmate throughout the year. She has to pay the room rent for the full academic session. The amount will be forfeited if the inmate decides to leave the hostel during mid session.
3. Every student should stay in the accommodation allotted to her by the warden. She will not be allowed to change the accommodation once allotted, without prior permission of the warden.
4. A student should check the fittings in her room at the time of occupation. If there is any deficiency or inadequacy, it should be brought to the notice of the hostel staff. She shall be responsible for the fittings and shall see to it that they are in order at the time of handling over charge of the room when she leaves the hostel.
5. Student will be personally and collectively responsible for any loss or damage to the hostel furniture or other fitting in all the common facilities and at any place in the hostel.
6. Cleanliness of the room is to be maintained by the student herself.
7. A student should not enter the rooms of others who are not their room partner.
8. All the students will remain present at the time of roll call.
9. Use of electrical appliances like heaters, hot plates etc. in the hostel rooms is prohibited.

अनुशासन

महाविद्यालय की नियन्ता परिषद द्वारा कानून व्यवस्था का संचालन होता है। यह परिषद छात्र कल्याण तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय नियमों के पालन का भी ध्यान रखती है।

विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में केवल शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेना होगा। रिक्त समय में विद्यार्थियों को पुस्तकालय में पुस्तक, समाचार पत्र, सामयिकी इत्यादि का अध्ययन करना चाहिए।

विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर प्रसारित नियमों तथा परिनियमों का पालन करना होगा। नियन्ता परिषद के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियाँ अनुशासनात्मक कार्यवाही के अन्तर्गत आयेंगी।

(a) महाविद्यालय में अनियमित उपस्थिति होने पर तथा शैक्षणिक गतिविधियों के लिए लापरवाही करने पर।

(b) कक्षा में अध्ययन–अध्यापन के समय, कार्यालय में, पुस्तकालय में तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विघ्न डालने पर।

(c) शिक्षकों तथा महाविद्यालय के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निर्देशों का पालन न करने पर।

(d) सम्मेलन में तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तराल में अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त रहने पर।

(e) परीक्षाकाल में तथा क्रीड़ा स्थल पर अनुशासन तोड़ने पर।

(f) शिक्षकों, कर्मचारियों, आगन्तुकों एवं विश्वविद्यालय के संवैधानिक परिषद के सदस्यों के साथ अभद्रता करने पर।

(g) महाविद्यालय के फर्नीचर तथा अन्य सम्पत्तियों को क्षति पहुँचाने पर।

(h) महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पोशाक पहनकर आना अनिवार्य हैं। छात्रायें सादा सफेद सलवार सूट एवं गहरा लाल जयपुरी चुन्नी धारण करेंगी तथा छात्र सादी सफेद कमीज एवं स्लेटी पतलून धारण करेंगे। सादा काला स्वेटर , कार्डिगन कोट तथा काली टाई कॉलेज मोनोग्राम सहित शीत कालीन पोशाक के लिए निर्धारित है (पतलून का स्लेटी रंग एस कुमार क्वालिटी शेड नं0 178 नमूने में दिये गये स्लेटी रंग से मिलना चाहिये)।
विवाहित छात्राएं गुलाबी रंग का सूट सलवार पहन सकती हैं।

(i) **महाविद्यालय प्रांगण में मोबाईल फोन का प्रयोग वर्जित है।**

(j) किसी विद्यार्थी द्वारा अन्य विद्यार्थियों को अवांछनीय गतिविधियों के लिए उकसाने पर।

(k) विद्यार्थियों के बीच भ्रामक प्रचार करने पर तथा अफवाह फैलाने पर।

(l) महाविद्यालय परिसर में असंसदीय भाषा का प्रयोग करने पर।

(m) महाविद्यालय परिसर में निरुद्देश्य घूमने पर।

(n) महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान करने पर।

(o) महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों के प्रति गम्भीर न होने पर।

(p) महाविद्यालय परिसर में कोई भी छात्र एवं छात्रायें रैगिंग करते पाये जाने पर मा. उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कानूनी कार्यवाही होगी।

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रवेश से पूर्व लिखित में यह शपथ पत्र देना होगा कि वह महाविद्यालय प्रशासन एवं विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी नियमावली का पालन करेगा। अन्यथा वह नियमानुसार कानूनी कार्यवाही का पात्र होगा।

प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने साथ किसी भी बाहरी व्यक्ति को महाविद्यालय में न लायें। यदि कभी ऐसा पाया जाता है कि बाहरी व्यक्ति महाविद्यालय परिसर में अवांछित गतिविधियों में संलिप्त है तो सम्बन्धित विद्यार्थी तथा बाहरी व्यक्ति को तुरन्त पुलिस को सौंप दिया जाएगा तथा अन्य कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। ऐसे में सम्बन्धित छात्र का प्रवेश भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया जायेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना :

स्नातक स्तर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई ग्रामीण अंचल एवं मलिन बस्ती के विकास के लिए सतत् कार्यरत हैं। इस इकाई में कुल 100 विद्यार्थी हैं, जो कार्यक्रम अधिकारी के दिशा निर्देशन में पूरे वर्ष कार्य करती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जाता है।

1. विशेष शिविर का आयोजन।
2. परिसर की सफाई इत्यादि के बनाए रखने में।
3. सामुदायिक सम्पर्क करने में।
4. एड्स तथा पर्यावरण सम्बन्धी जानकारी से निकटवर्ती ग्रामीणों को अवगत कराने में।
5. प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में।
6. ग्रामीण विकास कार्यक्रम में।
7. परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में।
8. राष्ट्रीय सेवा योजना – "बी" एवं "सी" प्रमाण–पत्र परीक्षा।
9. टीकाकरण अभियान
10. रक्तदान अभियान

COURSES OFFERED FOR B.Sc. CLASSES

With the blessings of Pujya Swami Chinmayanandaji and under the dynamic leadership of Dr. Alok Kumar, the college is able to provide following under Graduate Courses run by highly qualified, well experienced permanent teaching staff as well as distinguished academicians of the region as guest faculty and young enthusiatic part time teachers.

Under the worthy guidence of incharges of the departments, the college is providing best education, knowledge and skills. Consistent efforts are being made to inculcate values of selfdiscipline, professionalism and integrity among the students so that they can provide positive contribution to the society and the country.

GOVERNMENT AIDED SECTIONS

S.No.	Course	No. of Seats
1.	B.Sc. Bio. Group (Chemistry, Botany & Zoology)	80
2.	B.Sc. Maths Group (Physics, Chemistry & Mathematics)	80

UNDER SELF FINANCED SCHEME

S.No.	Course	No. of Seats
1.	B.Sc. Computer Science (with Physics & Mathematics)	80
2.	B.Sc. Microbiology (with Zoology & Botany)	60

Note :

1. **Candidates have to use separate application form for different disciplines**

LEEP

LIFE EMPOWERMENT AND ENRICHMENT PROGRAMME

(जीवन सशक्तिकरण तथा परिस्करण कार्यक्रम)

चिन्मय मिशन के उद्देश्यों एवम् भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित यह युवाओं के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसकी प्रमुख विशेषतायें निम्नवत् हैं।

1. यह कार्यक्रम Central Chinmaya Mission Trust के Education Cell द्वारा प्रकाशित एवं प्रशासित है।
2. यह एक द्विवर्षीय प्रमाण–पत्र (Certificate Course) है। यह स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के साथ सभी विद्यार्थियों के लिये अनिवार्य होगा। इस कार्यक्रम के लिए पाठ्य पुस्तक पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी। जो विद्यार्थी इस उपयोगी पुस्तक को अपने पास रखना चाहेंगे उन्हें इसका वास्तविक मूल्य 300 / –रूपये महाविद्यालय में जमा करना होगा।
3. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम पाठ (Chapter) सं0 1 से 9 तक तथा द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम पाठ (Chapter) 10 से 18 तक होगा।
4. विद्यार्थियों को प्रति सप्ताह एक कालांश (Period) उपरोक्त कार्यक्रम के लिए पढ़ाया जाएगा।
5. LEEP कार्यक्रम में सहभागिता के पश्चात प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु इच्छुक विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार लिखित परीक्षा देना होगा। इस परीक्षा में विद्यार्थी पाठ्य पुस्तक अपने पास रख सकते हैं (open book evaluation system), तथा इच्छुक अभ्यर्थियों को परीक्षा के साथ–साथ, सेवा कार्यों एवं अनुभवों की पंजिका प्रेषित करनी होगी, जिसका मूल्यांकन CCMT Education Cell द्वारा किया जाएगा।

मूल्यांकन के उपरान्त प्रमाण–पत्र CCMT Education Cell तथा महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से दिया जाएगा। प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को 200 / –रूपये शुल्क के रूप में देना होगा, यद्यपि यह अनिवार्य नहीं है।

उपरोक्त कार्यक्रम युवाओं के नैतिक उत्थान के लिए आयोजित किया जा रहा है।
यह किसी धर्म व सम्प्रदाय विशेष से सम्बन्धित नहीं है।

प्रवेश नियम (सत्र 2017—2018)

1. स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिये प्रत्येक महाविद्यालय/संकाय में सम्बन्धित प्राचार्य/संकायाध्यक्ष प्रवेश समितियों का गठन करेंगे, जोकि अलग–अलग संकायों में प्रवेश से सम्बन्धित कार्यों का दायित्व पूर्ण करेंगे। तत्सम्बन्धित संकायों में प्रवेश के लिये उक्त समिति और प्राचार्य/संकायाध्यक्ष का निर्णय अन्तिम होगा। समितियों के विधिवत् गठन की सूचना प्राचार्य/संकायाध्यक्ष विश्वविद्यालय को भी प्रेषित करेंगे। प्रवेश समितियों द्वारा आवंटित विषयों में कोई परिवर्तन सम्भव नहीं होगा। प्रवेश का दायित्व प्राचार्य/संकायाध्यक्ष का होगा।
2. स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिये इंटरमीडिएट या समकक्षीय परीक्षा में 45 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये प्रवेश अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों की छूट होगी।
3. आवेदक स्वयं आवेदन पत्र जमा करें तथा कार्यालय से प्राप्ति रसीद अवश्य प्राप्त करें।
4. चरित्र प्रमाण–पत्र संस्थागत परीक्षार्थी पूर्व संस्था के प्रधानाचार्य का तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थी किसी राजपत्रित अधिकारी, लोकसभा/विधानसभा/विधान परिषद के सदस्य अथवा किसी महाविद्यालय के प्राचार्य/नियन्ता का प्रमाण पत्र संलग्न करें।
5. अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों को आरक्षण सुविधा उत्तराखण्ड शासनादेश संख्या 1114/कार्मिक –2–2001–53 (1) 2001 द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार अनुमन्य होगी। जो इस प्रकार है :– अनुसूचित जाति 19 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 4 प्रतिशत, अन्य पिछड़े वर्ग 14 प्रतिशत इसके अतिरिक्त उपरोक्त में निम्न प्रकार से हॉरिजेन्टल आरक्षण देय होगा। महिलायें 20 प्रतिशत, भूतपूर्व सैनिक 2 प्रतिशत, विकलांग 3 प्रतिशत, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आश्रित 2 प्रतिशत, अनुसूचित जाति/जनजाति/**अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों को आरक्षण की सुविधा उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार अनुमन्य होगी।** विकलांग अभ्यर्थी को सम्बन्धित जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने पर, अभ्यर्थी जिस श्रेणी में आता है, उसी श्रेणी में 3 प्रतिशत का आरक्षण प्राप्त होगा। आरक्षित सीटों पर प्रवेशार्थी उपलब्ध न होने पर उन सीटों को सामान्य श्रेणी से भरा जा सकेगा।
6. प्रवेशार्थी को महाविद्यालय के सूचना पट पर प्रवेश सम्बन्धी सूचनायें देखते रहना चाहिये।
7. प्रवेश के पूर्व ही स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जमा करना आवश्यक है। किसी अन्य विश्वविद्यालय के छात्र को एक माह के अन्दर प्रवजन प्रमाण–पत्र (माइग्रेशन) जमा करा देना चाहिये। अन्यथा अस्थाई प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
8. अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को किसी भी कक्षा एवं संकाय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। इस विश्वविद्यालय से अनुत्तीर्ण छात्र भूतपूर्व/व्यक्तिगत छात्र के रूप में परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष के छात्र को अनुत्तीर्ण होने अथवा चिकित्सा के आधार पर व अन्य वैध कारण के केवल एक बार संकाय बदल कर प्रवेश दिया जा सकता है। प्रवेश लेने से पूर्व प्रत्येक छात्र को स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र/प्रवजन प्रमाण–पत्र एवं चरित्र–प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
9. छात्र/छात्राओं को स्नातक स्तर पर सात वर्ष तथा स्नातकोत्तर स्तर पर चार वर्ष की अवधि तक के लिये ही संस्थागत विद्यार्थी के रूप में अध्ययन करने की सुविधा रहेगी, जिसमें एक वर्ष के गैप भी सम्मिलित रहेगा। (यह नियम व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू होगा)। केवल वे ही छात्र भूतपूर्व छात्र का लाभ ले सकेंगे जिन्होंने पूरे सत्र का अध्ययन किया हो अथवा विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश पत्र/अनुक्रमांक दिया गया हो और वह चिकित्सा के आधार पर आवेदन करता हो। ड्रापर विद्यार्थी को अनुत्तीर्ण माना जायेगा। ड्रापर को संस्थागत छात्र के रूप में पुनः प्रवेश नहीं दिया जायेगा। ड्रापर की परिभाषा, किसी छात्र ने यदि प्रवेश आवेदन पत्र भरने के पश्चात प्रवेश ले लिया हो, होगी।

उपस्थिति नियम
(सत्र 2017–2018)

शासनादेश संख्या 528(1)15–(उ.शि.)71/97 दिनांक 11 जून 1997 के अनुसार कोई भी छात्र विश्वविद्यालय की किसी भी परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति तब तक प्राप्त नहीं कर सकेगा जब तक वह व्याख्यान और ट्यूटोरियल कक्षाओं में पृथक–पृथक 75 प्रतिशत पूरी नहीं करता। विज्ञान के विषयों अथवा ऐसे अन्य विषयों में जिनमें प्रयोगात्मक कक्षायें होती हैं, प्रयोगात्मक कक्षाओं में प्रयोगात्मक कार्य की अवधि में 75 प्रतिशत उपस्थिति अपेक्षित होगी।

निम्नलिखित स्थितियों में पूरे सत्र में किसी विषय में, व्याख्यान और सेमिनार/प्रयोगात्मक कक्षाओं में पृथक–पृथक 6 प्रतिशत तक छूट संकायाध्यक्ष (डीन)/प्राचार्य द्वारा तथा 9 प्रतिशत छूट कुलपति द्वारा दी जा सकती है।

1. (अ) विद्यार्थी की लम्बी और गम्भीर बीमारी में कक्षा में सम्मिलित होने के 15 दिन के अन्दर यदि विद्यार्थी ने चिकित्सा प्रमाण पत्र दाखिल कर लिया हो। या

   (ब) इसी के समकक्ष किसी अत्यन्त विशेष परिस्थिति में समुचित कारण देने पर।

2. विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर स्नातक छात्र को विशेष अध्ययन के निमित्त किसी अन्य विश्वविद्यालय, संस्थान तथा उच्च अध्ययन के लिये किसी केन्द्र में व्याख्यान, प्रयोगात्मक कार्य के लिये कुलपति द्वारा 6 सप्ताह तक की अवधि की अनुमति दिये जाने पर कुलपति द्वारा उपस्थिति न्यूनता का मार्जन किया जा सकेगा। इसके लिये विश्वविद्यालय में अपनी उपस्थिति सूचित करने के एक सप्ताह के भीतर विद्यार्थी को उस संस्थान के जहाँ विद्यार्थी ने अध्ययन किया है, अध्ययन कक्षाओं में उपस्थित, प्रयोगात्मक कार्य, पुस्तकालय में कार्य करने की तिथियों के निर्देश सहित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

3. विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा आयोजित एन.सी.सी. शिविर, खेलकूद के समारोह, राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर, शैक्षणिक पर्यटन में भाग लेने अथवा भारतीय सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के लिये साक्षात्कार के निमित्त जाने पर उपस्थित न्यूनता मार्जन कर दिया जायेगा बशर्ते सम्बन्धित सक्षम अधिकारी से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र अनुपस्थित रहने के एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया गया हो।

Directions for Kashmiri Migrant students for the session 2017-18

As per the directions of MHRD & HNB Garhwal University, following concessions will be provided to the Kashmiri migrant students.

- **Relaxation in cut-off percentage up to 10% subject to minimum eligibility requirements.**
- **Increase in intake capacity up to 5% course wise.**
- **Reservation of at least one seat in merit quota in technical/professional institutions.**
- **Waiving off domicile requirements.**
- **1 seat will be created under supernumerary quota in the institution.**

CHINMAYA DEGREE COLLEGE, BHEL, HARIDWAR

(SESSION 2017 - 2018)

DETAILS OF FEE STRUCTURE FOR B.SC. - I, II, III

ITEM	AMOUNT PER ANNUM B.Sc. I	II	III
1. Games & Recreation	750	750	750
2. Ex-Soldier's Day	50	50	50
3. Cultural Activities	600	600	600
4. Reading Room	100	100	100
5. Indentity Card	50	50	50
6. Student Aid Fund	100	100	100
7. Magazine	300	300	300
8. Medical	130	130	130
9. Student Welfare Association	200	200	200
10. Home Examination	200	200	200
11. Development Fund	1500	1500	1500
12. Security (Lab & Lib.) Refundable	600	-	-
13. Tution Fee @ Rs. 11/-per month (From Boys only) Girls Exempted	132	132	132
14. D.A. Fees @ Rs. 12/-per month	144	144	144
15. Lab Fee (Maths Group)	500	500	500
16. Lab. Fee (Other Group)	600	600	600
17. Lab Fee (Ind. Micro.)	800	800	800
18. Library	360	360	360
19. Hot & Cold Water Charges	800	800	800
20. Registration Fee	20	20	20
21. Admission Fee	50	50	50
22. Science Breakage (As per chart given ahead)			
23. Maintaining Cycle Stand/Canteen	300	300	300
University Exam & Enrolment Fee			
24. Registration Fee (All Subjects)	700	-	-
25. Enrolment Fee (All Subjects)	150	-	-
26. Theory Exam			
(Math & Bio.)	650 per sem.	650 per sem.	650 per sem.
Computer & Micro.	1550 per sem.	1550 per sem.	1550 per sem.
27. Affiliation Fee	30	30	30
28. Marks Fee	10	10	10
29. Informal Charges	20	20	20
30. Sports Development	50	50	50
31. Development Fee University	50	50	50
32. Cost of Exam Form			
(Math & Bio.)	*	*	10
(Computer & Micro.)	**	**	50
33. Univ. Practical Exam Fee per Subject			
B.Sc. (Maths Group)	30	30	30
B.Sc. (Other Group)	45	45	45
34. Environmental Sci. Fee	-	-	---
35. Degree Fee	-	-	150

*/**Cost of Exam form will be paid by students at the time of exam form filling.

Science Breakage for the Session 2017 -2018

S. No.	Group	I	II	III
1.	B.Sc. Mathematics	100	100	100
2.	B.Sc. Biology	100	100	100
3.	B.Sc. Computer	125	125	125
4.	B.Sc. Microbiology.	200	200	200

B.Sc. Fee Chart

	Math		Biology	
B.Sc. Part	Boys	Girls	Boys	Girls
I	9326	9194	9441	9309
II	7876	7744	7991	7859
III	8026	7894	8141	8009

Professional Courses

S.No.	Courses	Boys Fee	Girls Fee
1	B.Sc. I Computer	11151+8000=19151	11019+8000=19019
2	B.Sc. I Microbiology	11541+8000=19541	11409+8000=19409
3	B.Sc. II Computer	9701+8000=17701	9569+8000=17569
4	B.Sc. II Microbiology	10091+8000=18091	9959+8000=17959
5	B.Sc. III Computer	9851+8000=17851	9719+8000=17719
6	B.Sc. III Ind. Microbiology	10241+8000=18241	10109+8000=18109

Transfer Certificate Fee R.s 20/-
Character Certificate Fee Rs. 20/-

☞ **All Fee must be deposited in Single Instalment.**

Girls are exempted from payment of Tuition Fee of 132/- per annum by order from Govt. of Uttarakhand.

NOTE

1. Fees once deposited will not be refunded in any case, except in the case of the University is not being able to run the course due to the legal binding or any other reason (as per University Rules)

2. The breakage in laboratories and library fine, if any, shall have to be deposited before the issue of Admit Card for University Examination.

WITHDRAWAL OF SECURITY MONEY DEPOSITED ALONG WITH COLLEGE FEES

The security deposit can be withdrawn by the student by submitting an application in the prescribed form, costing rupees five only. The application form for this will be available in the college office from 01 November onwards and may be submitted till 31 January 2018. The refunds will be in the form of crossed cheques. NEFT options can also be availed.

Procedure for Admission in B.Sc. Ist Semeter

The category wise tentative list of candidates eligible in order of merit for admission to B.Sc. Ist semester (separately for Biology & Mathematics group) will be displayed on college notice board.

The merit will be based on the total aggregate marks obtained in the qualifying examination. The students in the eligibility list are required to present themselves personally before the Professor-In-Charge of class concerned, along with his/her **mark sheets in original and transfer & character certificate from last institution attended with a set of copies of all the marksheets duly attested**. The dates and time of admission will be displayed on the College Notice Board after registration is closed.

The students shall be required to deposit the full fee at the bank counter of Oriental Bank of Commerce, Shivalik Nagar, BHEL, Haridwar the same day after he/she shall forfeit his/her claim for admission. **The last date, for the students in the first list, to appear before Prof.-In-Charge admission will be displayed on college notice board. Students seeking admission should carefully note the date from the notice board**.

The waiting list which shall be displayed simultaneously, will be considered on the next day after the last date of merit list is over. The date for candidates on the waiting list shall be displayed on notice board. Hence the students on the waiting list should report their presence to the Prof.-In-charge admissions on the date announced on Notice Board upto 10.30 A.M. sharp punctually and put their signatures on the list with the Prof.-In-Charge admission in token of their presence and should stay there till the admission of the students on waiting list are finally closed. **After 10.30 A.M. no one shall be allowed to put his/her signature**. The seats vacant, if any, will be filled up in order of merit from amongst the students present from the waiting list. So, they should come prepared to deposit the fee on the same day, failing which the student will forefeit his/her claim to admission.

Students who have passed the qualifying examination earlier than last examination are required to explain the reason of gap and submit **an affidavit to the effect** that he/she had not studied else-where nor indulged in any criminal activities and subversive activities during the gap period. If it is found that the affidavit is not correct then his/her admission would be cancelled forthwith.

N.B.

If some reserved seats remain vacant for want of eligible candidates, then such vacant seats shall be filled by general category candidates within three days of the last date fixed for admission.

COURSES OFFERED AT POST GRADUATION LEVEL

The college provides Post Graduate Courses in following departments run by highly qualified, well experienced permanent teaching staff as well as distinguished academicians of the region as guest faculty and young enthusiastic part time teachers.

Under the worthy guidance of incharges of the departments and the Principal, the college is providing best education, knowledge and skills. Consistent efforts are being made to inculcate values of self discipline, professionalism and integrity among the students so that they can provide positive contribution to society and the country.

S. No.	Course & Subject	No. of Seats	Incharge
1.	M.Sc. Biotechnology	20	Dr. Nishesh Sharma
2.	M.Sc. Chemistry	25	Dr. Alok Agarwal
3.	M.Sc. Computer Science	25	Sh. Vaishno Das
4.	M.Sc. Microbiology	25	Dr. Deepika Upadhyay
5.	M.Sc. Physics	25	Dr. P.K. Sharma
6.	M.Sc. Zoology	25	Dr. Ajay Kumar

शुल्क सम्बन्धी विवरण

(सत्र 2017-2018)

विश्वविद्यालय द्वारा स्वः वित्त पोषित पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश शुल्क के सम्बन्ध में प्राप्त शासनादेशों के अनुपालन में स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए शुल्क की दरें निम्नवत् निर्धारित की गई हैं :-

☛ **Rs. 97 extra for life insurance for student and his/her parents.**

Professional Courses:

M.Sc. Chemistry, M.Sc. Physics and M.Sc. Zoology	Rs. 13,500.00 per Semester
M.Sc. Microbiology, M.Sc. Biotechnology	Rs. 20,000.00 per Semester
M.Sc. Computer Science	Rs. 16,000.00 per Semester

- Registration Fee for M.Sc. First semester Rs. 500/-.
- Registration Fee for other University students Rs. 100/- extra.
- Degree Fee for M.Sc. Second Year Rs. 100/- extra.

नोट - उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त रूपये २०००/- सिक्योरिटी मनी (रिफन्डेबल) जमा करना अनिवार्य है। एक वर्ष बाद उत्तीर्ण अथवा अन्य दशा में एक वर्ष बाद ही वापस की जायेगी।

NOTE:

1. **Fees once deposited will not be refunded.**
2. **Science breakage and library fine, if any, shall have to be deposited before the Admit Card for University Examination is issued.**

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु योग्यता सूची निर्धारण नियम

1. एम०एससी० कक्षाओं में प्रवेशार्थ न्यूनतम अर्हता इस विश्वविद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त किसी भी अन्य विश्वविद्यालय की बी०एससी० परीक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक होंगे।

2. (A) एम०एससी० रसायन, एम०एससी० फिजीक्स तथा एम०एससी० जन्तु विज्ञान में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों की योग्यता सूची का निर्धारण बी०एससी० के प्रत्येक वर्ष के उस विषय की अंकों को जोड़कर प्रतिशत को निकाला जायेगा।

   (B) (ii) अतिरिक्त अंकों की गणना निम्न प्रकार कर उन्हें सूचकांक (i) में जोड़ दिया जाएगा।

   (a) आवेदक ने यदि चिन्मय महाविद्यालय, हरिद्वार में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो तो पांच प्रतिशत एवं हे.न.ब.ग० विश्वविद्यालय गढ़वाल, श्रीनगर के स्नातक को तीन प्रतिशत।

   (b) जिस छात्र/छात्राओं ने बी०एससी० बायोटेक एवं बी०एससी० माइक्रो किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किया है उसको उसी विषय में प्रवेश हेतु 2 प्रतिशत अंक अतिरिक्त दिये जायेंगे।

   (C) अन्तर महाविद्यालय तथा राजय स्तर पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले आवेदक को पांच प्रतिशत देय होंगे तथा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले आवेदक को सात अंक देय होंगे। विश्वविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर दो प्रतिशत देय होंगे।

   (D) एन.सी.सी./एन.एस.एस. में सम्मिलित होने वाले आवेदक को निम्नानुसार अंक देय होंगे।

   एन.सी.सी. 'बी' प्रमाण पत्र धारक को एक अंक तथा 'सी' प्रमाण पत्र धारक को तीन प्रतिशत देय होंगे। एन.एस.एस. के दो शिविरों में भाग लेने वाले अभ्यर्थी को दो प्रतिशत तथा एक शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थी को एक प्रतिशत दिया जायेगा। उपरोक्त वर्णित (b) तथा (C) श्रेणी में अधिकतम पांच प्रतिशत ही देय होंगे।

   (E) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भूतपूर्व अथवा कार्यरत सैनिकों एंव केन्द्रीय गृह मंत्रलय के अधीन अर्द्धसैनिक बलों के आश्रितों (पति/पत्नी/पुत्र/पुत्री/पौत्र/पौत्री) को दो अतिरिक्त प्रतिशत का लाभ इस प्रतिबन्ध के साथ दिया जाएगा कि वे इस हेतु सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे।

   (F) विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के आश्रितों (पति/पत्नी/पुत्र/पुत्री) एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों के आश्रितों (पति/पत्नी/पुत्र/पुत्री) को उसी महाविद्यालय में जिसमें उनके माता-पिता कार्यरत हो, को दस अतिरिक्त प्रतिशत देय होंगे।

(G) गैप (अन्तराल) के लिये पांच अंक या 1 प्रतिवर्ष के हिसाब से योग्यता सूची से घटा दिये जायेंगे। **दो वर्ष से अधिक गैप के पश्चात प्रवेश नहीं मिलेगा।** गैप वर्ष के साक्ष्य के रूप में सक्षम न्यायालय के नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। उक्त नियम के अन्तर्गत अधिकतम **2 प्रतिशत** घटाए जायेंगे। यदि अभ्यर्थी ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के पश्चात किसी व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया हो और उसकी परीक्षा भी दी हो तब उ अवधि को गैप नहीं माना जाएगा।

(H) आवेदक को अतिरिक्त अंकों का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ उससे सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करनी अनिवार्य है।

(I) **अधिकतम वरीयता अंक 17 ही देय होंगे।**

ACADEMIC STAFF

Principal

Dr. Alok Kumar	M.Sc., Ph.D.

Department of Chemistry

1.	Dr. Alok Kumar	M.Sc., Ph.D.
2.	Dr. Alok Agarwal (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
3.	Dr. A.S. Singh (Associate Professor)	M.Sc., Ph.D.
4.	To be appointed	
5.		

Department of Physics

1.	Dr. P. K. Sharma (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	Sh. B.P. Gupta (Selection Grade)	M.Sc.
3.	To be appointed	
4.	To be appointed	
5.	To be appointed	

Department of Mathematics

1.	Dr. (Mrs.) Shikha Gupta (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	To be appointed	

Department of Botany

1.	Dr. (Mrs.) Manisha (Associate Professor) Incharge	M.Sc., D.Phil.
2.	To be appointed	

Department of Zoology

1.	Dr. Ajay Kumar (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	Dr. Sandhya Vaid	M.Sc., Ph.D.
3.	To be appointed	
4.	To be appointed	
5.	To be appointed	

Department of Microbiology

1.	Dr. Deepika Upadhyay, Incharge	M.Sc., D.Phil.
2.	To be appointed	
3.	To be appointed	

Department of Computer Science

1.	Sh. V.D. Sharma, Incharge	M.C.A.
2.	Sh. Santosh Kumar	M.Sc.
3.	To be appointed	
4.	To be appointed	

Department of Biotechnology

1.	Dr. Nishesh Sharma, Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	To be appointed	
3.	To be appointed	

Ministerial Staff

Office

1.	Sh. R.K. Chaturvedi (B.Sc., M.A., L.L.B.)	Office Superintendent (Officiating)
2.	Smt. Rupa Rani Jai Singh (B.A.)	Upper Division Clerk
3.	Smt. Maya Swami (M.A.)	Clerk
4.	Sh. Sushil Kumar (B.Sc., B.Ed., PGDCA)	Clerk
5.	Sh. Dhananjaya Upadhyaya (B.Sc., PGDCA)	Clerk
6.	Sh. Saurabh Gupta (I. Sc.)	Clerk
7.	Sh. Vivek Chandra (B.Com., M.A.)	Clerk

Library

1.	Librarian	Vacant
2.	Smt. Vineeta Dhyani (M.A., M.Lib.)	Upper Division Clerk
3.	To be appointed	Clerk

Laboratory

1.	Sh. Vikram Singh Negi, B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Zoology
2.	Sh. Rakesh Kumar Landora, B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Botany
3.	Sh. Rakesh Gupta B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Chemistry
4.	Sh. Vijay Kumar Dhyani, I.Sc (Senior Lab. Assistant)	Chemistry
5.	Sh. Rajesh Kumar (B.Sc., B.Ed., PGDCA, Part time, Lab. Assistant)	Microbiology
6.	Sh. Kamal Mishra, B.Sc. (Part time, Lab. Assistant)	Physics
7.	Sh. Rahul Kumar, BSc., MBA (Part time, Lab. Assistant)	Biotechnology

IVth Class Staff

1. Sh. Gautam Mahato
2. Sh. Jai Prakash
3. Sh. Girish Nath Tripathi
4. Sh. Subhash Kumar Sharma
5. Sh. Rajendra Singh
6. Sh. Naeem Ahmed
7. Sh. Yashpal Singh
8. Sh. Rajveer Singh
9. Sh. Sonu
10. Sh. Hari Om Verma
11. Sh. Jai Prakash Single
12. Sh. Chander Singh
13. Sh. Gyan Prakash Barthwal
14. Sh. Ashok Kumar
15. Sh. Amar Pal Singh
16. Sh. Rajesh Kumar
17. Sh. Mohan Chand Joshi
18. Smt. Roshan Devi

Committees for Corporate Life of the College (2017-2018)

1. **Staff Council**
   i. **Chairman :** Dr. Alok Kumar
   ii. **Secretary :** Sh. B.P. Gupta
2. **NAAC Coordination Committee**
   i. Dr. P.K. Sharma (Coordinator)
   ii. Sh. B.P. Gupta (Incharge IQAC)
   iii. Dr. Alok Agarwal (Member)
   iv. Dr. (Mrs.) Manisha (Member)
   v. Dr. Vaishno Das Sharma (Member)
   vi. Sh. Rakesh Landora (Member)
   vii. Sh. D.K. Upadhyay (Member)
3. **Career Consultancy Cell**
   i. Dr. Ajay Kumar (Member)
   ii. Dr. Vaishno Das Sharma (Member)
   iii. Dr. Nishesh Sharma (Member)
   iv. Sh. Rakesh Gupta (Member)
4. **Proctorial Board**
   i. Dr. P.K. Sharma (Chief Proctor)
   ii. Dr. Ajay Kumar (Proctor)
   iii. Sh. B.P. Gupta (Proctor)
   iv. Dr. Archna Jha (Proctor)
   v. Dr. Sandhya Vaid (Proctor)
   vi. Dr. Deepika Upadhyay (Proctor)
   vii. Sh. V.S. Negi
5. **National Service Scheme (NSS)**
   I Sh. B.P. Gupta
   ii. Sh. Rakesh Gupta
   iii. Sh. Ashok Kumar
6. **Student Welfare Committee**
   i. Dr. Manisha (Dean)
   ii. Dr. Sandhya Vaid
   iii. Sh. Rakesh Landora
   iv. Class representatives from all sections
7. **Security Committee**
   I.. Sh. B.P. Gupta
   ii. Sh. Rakesh Chaturvedi
   iii. Sh. Rajendra Singh
8. **Purchase Committee**
   i. Dr. Alok Kumar (Chairman)
   ii. Dr. Ajay Kumar (Co-ordinator)
   iii. Dr. Alok Agarwal (Member)
   iv. Dr. P.K. Sharma (Member)
   v. Dr. (Mrs.) Manisha (Member)
   vi. Dr. Vaishno Das Sharma (Member)
   vii. Sh. R.K. Chaturvedi (Member)
9. **College Development Committee**
   i. Dr. Alok Agarwal (Convener), Building Maintenance & Construction
   ii. Dr. Deepika Upadhyay (Garden)
   iii. Dr. (Mrs.) Manisha (Incharge) Furniture
   iv. Sh. R.K. Chaturvedi (O.S.)
   v. Sh. D.K. Jain (Architect)
   vi. Dr. Ajay Kumar (Hygiene)
   vii. Sh. Kamal Mishra (Member) Hygiene,
   viii. Sh. Rakesh Landora (Furniture, Water, Electrical & Maintenance)
10. **Committee of Social and Cultural Activities**
   i. Dr. Shikha Gupta (Convener)
   ii. Dr. (Mrs.) Manisha
   iii. Dr. A.S. Singh
   iv. Ms. Sarbani Gupta
   v. Dr. Deepika Upadhyay
   vi. Dr. Sandhya Vaid
   vii. Sh. Rakesh Gupta
   viii. Four Students
11. **Canteen Committee**
   i. Dr. Ajay Kumar
   ii. Dr. Shikha Gupta
   iii. Dr. A.S. Singh
   iv. Smt. Rupa Rani Jaisingh

12. **Committee of Games and Sport/ First Aid**
    I. Dr. Alok Agarwal
    ii. Dr. Vaishno Das Sharma
    iii. Dr. OmKant
    iv. Sh. V.S. Negi
    v. Four Students
    vi. Sh. Rajendra

13. **Academic Council of the College**
    i. Dr. Shikha Gupta (Convener)
    ii. Dr. Ajay Kumar
    iii. Sh. B.P. Gupta
    iv. Sh. V.K. Dhyani
    v. Four Students

14. **Editorial Board of College Magazine**
    i. Dr. P.K. Sharma
    ii. Dr. Manisha
    iii. Dr. Sandhya Vaid
    iv. Dr. Deepika Upadhyay
    v. Sh. V.S. Negi
    vi. Four Students

15. **Library Committee**
    i. Dr. (Mrs.) Manisha
    ii. Dr. Ajay Kumar
    iii. Smt. Vineeta Dhyani

16. **Committee of College Prospectus**
    i. Dr. Manisha (Convener)
    ii. Sh. B.P. Gupta
    iii. Sh. R.K. Chaturvedi

17. **In-charge of College Time-table**
    i. Dr. P.K. Sharma
    ii. Sh. Santosh Kumar

18. **In-charge of Self Finance Scheme**
    i. Dr. P.K. Sharma
    ii. Dr. Ajay Kumar
    iii. Dr. Manisha
    iv. Dr. Vaishno Das Sharma

19. **Grievence Redressal Cell**
    i. Dr. Manisha
    ii. Dr. Omkant
    iii. Sh. Rakesh Gupta
    iv. Sh. Hariom Verma

20. **College Advisory Board (Parents and Alumni)**
    i. Sh. Sandeep Jain, MD (Akums)
    ii. Sh. Harander Garg, CEO (Cello)
    iii. Sh. Arun Saraswat, CMD Padms Service
    iv. Sh. Sudhir Mehta, GM HR (KIRBY)
    v. Sh. Lalit Sachdeva, Advocate
    vi. Sh. B.K. Mahajan
    vii. Sh. Naveen Luniyan (Alumni)
    viii. Sh. Anuj Chauhan (Alumni)
    ix. Sh. Vinay Goel (Alumni)

21. **Girls Hostel**
    i. Dr. (Smt.) Manisha (Incharge)
    ii. Dr. P.K. Sharma
    iii. Ms. Shalu Saini (Warden)
    iv. Ms. Maya Swami

22. **Semester Examination Cell**
    i. Dr. Alok Agarwarl
    ii. Dr. A.S. Singh
    iii. Sh. Rakesh Gupta
    iv. Sh. Rakesh Landora
    v. Sh. Jai Prakash Single
    vi. Sh. Amar Pal

CHINMAYA DEGREE COLLEGE
BHEL, HARIDWAR

MANAGING COMMITTEE

(Session : 2017-2018)

1.	Col Rakesh Sachdeva (Veteran)	Chairman
2.	Sh. S.K. Agarwal	Vice Chairman
3.	Sh. Suresh Shetty	Secretary
4.	Sh. Anil Chaudhary	Joint Secretary
5.	Sh. Vijesh Jain	Member
6.	Sh. Sanjay Goel	Member
7.	Dr. Indu Mehrotra	Member
8.	Dr. Alok Kumar	Principal & ex-officio member
9.	Dr. A.S. Singh	Teacher Member
10.	Sh. B.P. Gupta	Teacher Member
11.	Sh. V.K. Dhyani	Ministerial Staff Member

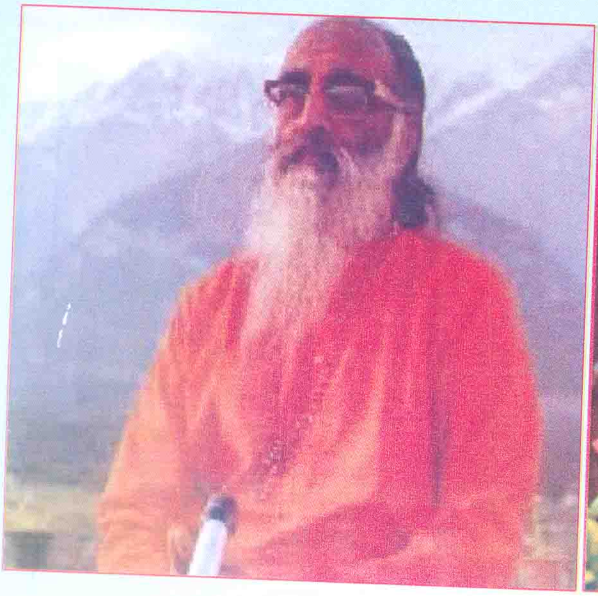

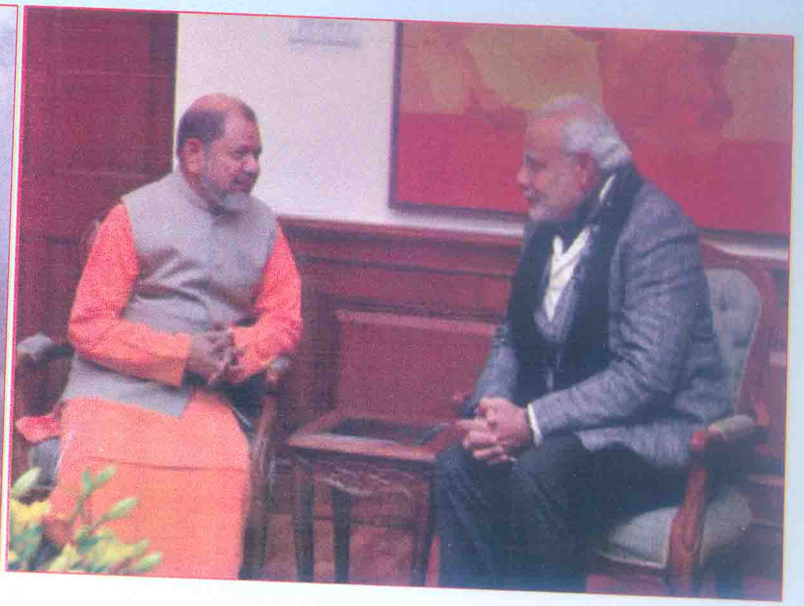

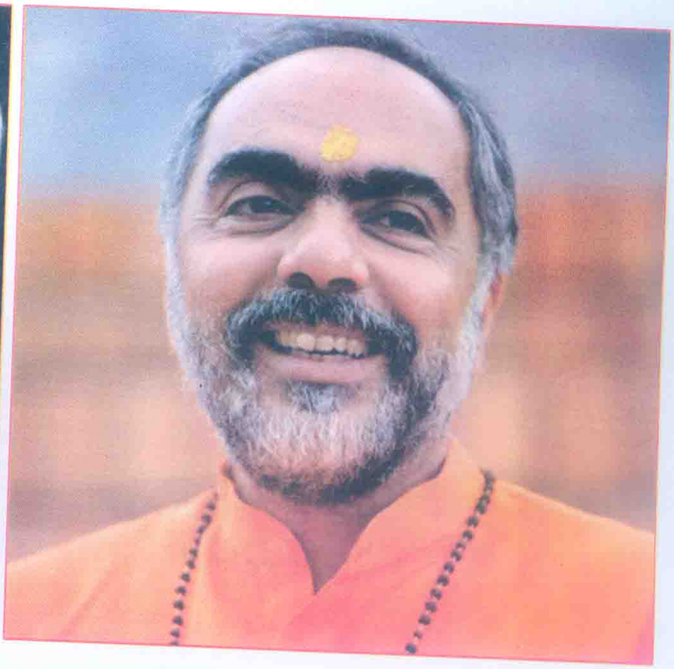

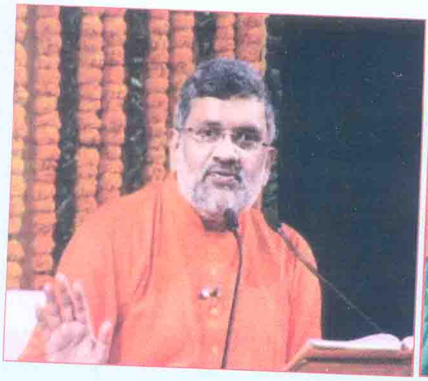

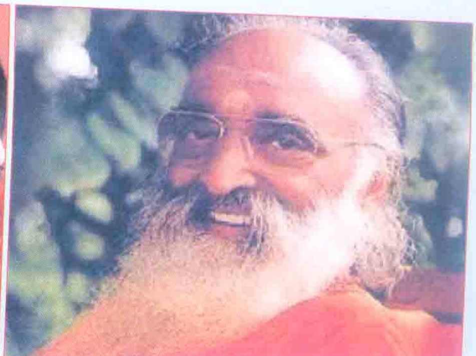

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
Chinmaya Degree College
BHEL, Ranipur, Dist. Haridwar,
affiliated to Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University, Uttarakhand as
Accredited
with CGPA of 2.15 on four point scale
at B grade
valid up to September 13, 2020

Date September 14, 2015

Director

Our Motto

You Can You Must

Our Vision

- To create men of character and action.
- To develop a positive attitude to life.
- To inculcate a sense of pride in one's culture and national heritage.
- To imbibe the ethos of Service before Self.

Price: Rs. 250/-

Payment will be accepted through
Debit Card/Credit Card/NEFT*/Online payment
*** IFSC-ORBC0100951**
Daily collection Account
09512010022290
(Haridwar)

Printed at:- Kiran Offset Printing Press, Kankhal, Haridwar, # 9837007222